

Chapter: 1 to 11

विभाग १ - गद्य

प्र. (अ) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए - (गद्य)

१

अंत में सत्याग्रहाश्रम निवासी के तौर पर मेरा आचरण कैसा रहा, यह कहना आवश्यक है।

अस्वादव्रत-इस विषय पर भोजन संबंधी प्रकरण ऊपर लिखा जा चुका है।

अपरिग्रह-लकड़ी की थाली, कटोरी, आश्रम का एक लोटा, धोती, कंबल और पुस्तकें, इतना ही परिग्रह रखा है। बंडी, कोट, टोपी वगैरा न पहनने का व्रत लिया है। इस कारण शरीर पर भी धोती ही ओढ़ लेता हूँ। करघे पर बुना कपड़ा ही इस्तेमाल करता हूँ।

स्वदेशी-परदेशी का संबंध मेरे पास है ही नहीं, (आपके संबंध मद्रास के व्याख्यान के अनुसार व्यापक अर्थ न किया हो तो ही)।

सत्य-अहिंसा-ब्रह्मचर्य- इन व्रत का परिपालन अपनी जानकारी में मैंने ठीक-ठीक किया है, ऐसा मेरा विश्वास है।

अधिक क्या कहूँ? जब भी सपने आते हैं तब मन में एक ही विचार आता है। क्या ईश्वर मुझसे कोई सेवा लेगा? मैं पूर्ण श्रद्धा से इतना कह सकता हूँ कि आश्रम के नियमों के अनुसार (एक को छोड़कर) मैं अपना आचरण रखता हूँ। यानी मैं आश्रम का ही हूँ। आश्रम ही मेरा साध्य है। जिस एक बात की कमी का मैंने उल्लेख किया है वह है अपना भोजन (यानी भाकरी) स्वयं बनाना। मैंने इसका भी प्रयत्न किया; पर प्रवास में यह संभव न हो सका।

सत्याग्रह का या दूसरा कोई (शायद रेल संबंधी सत्याग्रह शुरू करने का) सवाल पैदा होगा, हो तो मैं तुरंत ही पहुँच जाऊँगा।

इधर आश्रम में क्या फेरफार हुए हैं तथा कितने विद्यार्थी हैं? राष्ट्रीय शिक्षा की योजना क्या है? तथा मुझे अपने आहार में क्या परिवर्तन करना चाहिए, यह जानने की मेरी प्रबल इच्छा है। आप स्वयं मुझे पत्र लिखें, ऐसा विनोबा का-आपको पितृतुल्य समझने वाले आपके पुत्र का आग्रह है।

1 A1) ..

2

वाक्य पूर्ण कीजिए।

(i) मैं पूर्णश्रद्धा से इतना कह सकता हूँ कि -

(ii) हिंदी प्रचार का जो प्रयत्न शुरू किया है उसमें -

A

2

2) ..

उचित जोड़ियाँ मिलाइए।

गट 'अ'	गट 'ब'
(१) भोजन संबंधी	(अ) रेल संबंधी
(२) परिपालन	(ब) राष्ट्रीय
(३) सत्याग्रह	(क) अस्वादव्रत

A

2

3) ..

निम्नलिखित शब्दों में प्रत्यय लगाकर लिखिए:

- i. आश्रम -
- ii. परिग्रह -
- iii. जानकार -
- iv. विचार -

A

2

4) ..

स्वमत।

अपना काम स्वयं करना चाहिए, इस विषय पर अपने विचार आठ से दस वाक्यों में लिखिए।

(आ) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए - (अपठित गद्यांश)

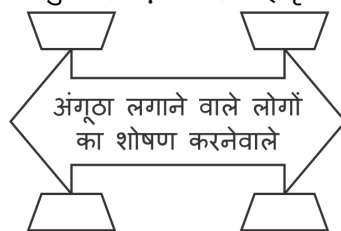
किसी भी देश की विकास शीलता का सीधा संबंध वहाँ की साक्षरता दर से होता है। कुछ वर्ष पूर्व तक ग्रामीण क्षेत्रों में माता - पिता अपने बच्चों को बढ़ने नहीं भेजते थे। उनका विचार था कि उनकी संतान उनका परंपरागत काम - धंधा करेंगे इसलिए पढ़ाई की क्या आवश्यकता। आज देश का परिदृश्य बदल चुका है। लोग इस तथ्य को समझने लगे हैं कि साक्षर हुए बिना जीवन ऊँचा नहीं उठ सकता है। प्रत्येक व्यक्ति को इतना पढ़ना - लिखना तो अवश्य आना चाहिए कि वह अपना दैनिक तथा व्यवसायिक कार्य चलाने के साथ प्रचार व संचार माध्यमों का आशय समझ सके। हमारे देश में जमींदार सूदखोर, महाजन, पटवारी, मिल-मालिक, पंजीपति और सामंती व्यवस्था के प्रतिनिधि अँगुठा लगाने वाले विशाल जनसमूह का खुलकर शोषण करते आए हैं। आज मशीनी युग में साक्षरता का महत्व और बढ़ गया है क्योंकि बढ़ती जनसंख्या के कारण लोगों को आजीविका के लिए दौड़ - धूप करनी पड़ रही है।

Colours of your Dreams

1 A1) ..

2

अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए।



A2) ..

2

स्वमत।

प्रौढ़ शिक्षा पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

विभाग २ - पदय

प्र. (अ) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए - (पद्य)

२

झूठा मीठे वचन कहि, ऋण उधार ले जाय ।
लेत परम सुख ऊपजै, लैके दियो न जाय ॥
लैके दियो न जाय, ऊँच अरु नीच बतावै ।
ऋण उधार की रीति, माँगते मारन धावै ॥

कह गिरिधर कविराय, जानि रहै मन में रूठा ।
बहुत दिना हो जाय, कहै तेरो कागज झूठा ॥

बिना विचारे जो करै, सो पाछै पछताय ।
काम बिगारै आपनो, जग में होत हँसाय ॥
जग में होत हँसाय, चित्त में चैन न आवै ।
खान-पान-सनमान, राग-रंग मनहि न भावै ॥
कह गिरिधर कविराय, दुख कछु टरत न टारे ।
खटकत है जिय माँहि, कियो जो बिना विचारे ॥

1 A1) ..

2

निम्नलिखित वाक्य सत्य या असत्य हैं पहचानकर लिखिए।

- (i) कवि के अनुसार कार्य हमेशा बिना विचार ही करना चाहिए।
- (ii) अपमान होने पर हिर्दय में चैन नहीं आता है।
- (iii) उधार मांगने वाला व्यक्ति झूठ का सहारा लेता है।
- (iv) कवि के अनुसार उधार मांगने वाला व्यक्ति बिना बोले पैसे लौटा देता है।

A2) ..

2

सही शब्द चुनकर वाक्य फिर से लिखिए।

- (i) बहुत दिन हो जाने पर कागज / पत्र झूठा बन जाता है।
- (ii) काम बिगड़ने पर सम्मान / अपमान मिलता है।
- (iii) काम बिगड़ने पर हृदय में चैन/ बेचैन नहीं आता है।
- (iv) उधार मांगने वाला व्यक्ति झूठे मीठे / झूठे कड़वे वचन बोलता है।

A3) ..

2

भावार्थ लिखिए।

उपरोक्त पद्यांश के अंतिम कुंडली का भावार्थ स्पष्ट कीजिए।

(बिना विचारे जो कियो जो बिना विचारे।)

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

(6)

तीन-चार फूल हैं,
आस-पास धूल है,
बाँस हैं-बबूल हैं,
घास के दुकूल हैं,
वायु भी हिलोर दे,
फूँक दे, चकोर दे,
कब्र पर, मजार पर, यह दिया बुझे नहीं,
यह किसी शहीद का पुण्य प्राण दान है ।

झूम-झूम बदलियाँ
चूम-चूम बिजलियाँ,
आँधियाँ उठा रहीं,
हलचलें मचा रहीं,
लड़ रहा स्वदेश हो,
यातना विशेष हो,
क्षुद्र जीत-हार पर, यह दिया बुझे नहीं,
यह स्वतंत्र भावना का स्वतंत्र गान है ।

1 A1) ..

2

निम्न शब्दों के लिए प्रश्न तैयार कीजिए।

- (i) घास
- (ii) शहीद

A2) ..

2

- i. समानार्थी शब्द अनुच्छेद से ढूँढकर लिखिए।

१. फूल -

२. धूल -

- ii. विपरीतार्थक शब्द (विलोम शब्द) लिखिए।

१. विशेष ×

२. पुण्य ×

A3) ..

2

भावार्थ लिखिए।

निम्नलिखित पंक्तियों का भावार्थ स्पष्ट कीजिए।

झूम-झूम बदलियाँ

चूम-चूम बिजलियाँ,

आँधियाँ उठा रहीं,

हलचलें मचा रहीं,

लड़ रहा स्वदेश हो,

यातना विशेष हो,

क्षुद्र जीत-हार पर, यह दिया बुझे नहीं,

यह स्वतंत्र भावना का स्वतंत्र गान है ।

विभाग ३ - पूरक पठन

प्र. परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए - (पूरक पठन)

(4)

<p>प्र. ३</p>	<p>कितनी सुंदरता बिखरी प्राकृतिक जगत में, ईश्वर, टपक रही गिरि-शिखरों से झर, लोट रही घाटी में लिपटी धूप छाँह में निःस्वर !</p> <p>अनिल स्पर्श से पुलकित तृण दल, बहती सीमाहीन श्लक्ष्ण संगीत स्त्रोत-सी अहरह वन-भू मर्मर !</p> <p>फूलों की ज्वालाएँ आँखें करतीं शीतल मुकुल अधर मधु पीते गुंजन भर मधुकर दल ! तितली उड़तीं, दूर, कहीं पल्लव छाया में रुक-रुक गाती वन प्रिय कोयल!</p>	<p>(4)</p>
	<p>1 A1) ..</p> <p>रिक्त स्थानों की पूर्ति करो। (i) घाटियों में कहीं है। (ii) ईश्वर ने जगत में सुंदरता भी खेली है। (iii) भूमि में के हिलने की आवाज आ रही है। (iv) भंवरोँ का दल कर रहा है।</p> <p>A2) ..</p> <p>स्वमत “प्रातः काल की सुंदरता का वर्णन कीजिए।” इस वाक्य पर अपने ही विचार 25 से 30 शब्दों में स्पष्ट कीजिए।</p>	<p>2</p> <p>2</p>
<p>प्र. ४</p>	<p>व्याकरण</p> <p>1. अधोरेखांकित शब्द का भेद लिखिए (2)</p> <p>1) पंचवटी की छाया में सुंदर कुटी बनी है ।</p> <p>2) इसके कण – कण में वीरता, त्याग और भक्तिभाव भरा दीखता है ।</p> <p>2. सूचना के अनुसार काल परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए (2)</p> <p>1) तुम्हें संसार से लड़ना होगा । (सामान्य वर्तमानकाल)</p> <p>2) दो – तीन मास वहीं रहकर आश्रम लौट जाऊँगा । (सामान्य भूतकाल)</p> <p>3. निम्न शब्दों को संधि विच्छेद कर भेद लिखिए (2)</p> <p>1) संबंध -</p> <p>2) उद्घाटन –</p> <p>4. वाक्यों में रेखांकित क्रियाओं के भेद लिखिए । (2)</p>	

1) एक गीत की कुछ पंक्तियाँ यद् दिला दी ।

2) अनिल पिताजी के गले लग गया ।

प्र. ५
उपयोजित लेखन

1. पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए

(5)

राजेश / रागिनी कुलकर्णी, नेहरू रोड, अमरावती से मा। व्यवस्थापक, मौर्य बुक डेपो, कोल्हापुर को पत्र लिखकर हिंदी की आवश्यक पुस्तकों की माँग करते हुए पत्र लिखता / लिखती है।

OR

कमल / कमला शर्मा, पंचमढ़ी, सोतापुर (उ. प्र) से अपने पिता अमरनाथ से अपने गरीब मित्र की फीस भरने के लिए पैसे माँगते हुए पत्र लिखता / लिखती है ।

2. विज्ञापन लेखन

(5)

कपड़े साफ करने की विक्री के लिए साबुन का विज्ञापन बनाइए।

